



Mman



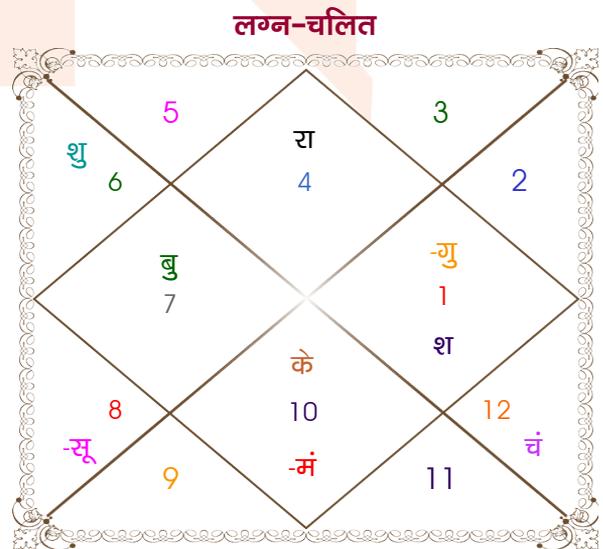
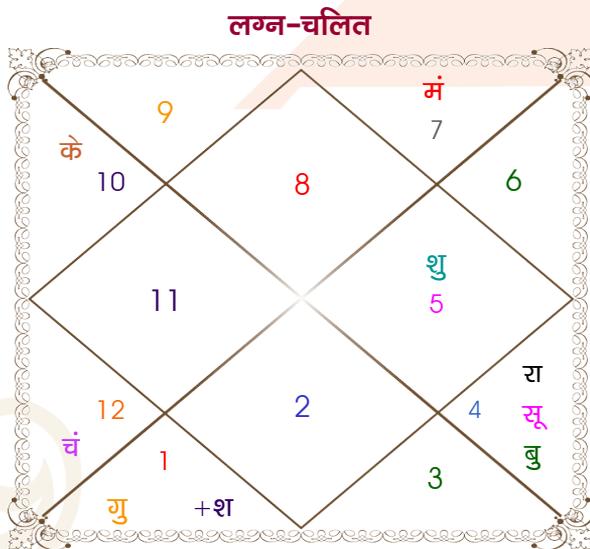
Disha Singhai

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121342428

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 02/08/1999 : _____ जन्म तिथि _____ : 19/11/1999
 सोमवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
 घंटे 14:09:00 : _____ जन्म समय _____ : 23:00:00 घंटे
 घटी 21:07:00 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 40:47:43 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Agra : _____ स्थान _____ : Gohad
 27:09:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:25:00 उत्तर
 78:00:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 78:26:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:18:00 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:16:16 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:42:11 : _____ सूर्योदय _____ : 06:37:54
 19:05:54 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:25:10
 23:50:53 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:51:04

| विंशोत्तरी शनि 2वर्ष 2मा 5दि शुक्र | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी शनि 3वर्ष 9मा 26दि केतु |
|--|----------|----------|--------|--------|----------|--|
| 07/10/2025 | 05:47:52 | वृश्चि | लग्न | कर्क | 21:16:15 | 15/09/2020 |
| 07/10/2045 | 15:46:56 | कर्क | सूर्य | वृश्चि | 03:04:56 | 16/09/2027 |
| शुक्र | 15:08:06 | मीन | चंद्र | मीन | 13:59:03 | केतु |
| 06/02/2029 | 18:11:43 | तुला | मंगल | मक | 01:08:52 | 11/02/2021 |
| 06/02/2030 | 05:27:51 | कर्क व | बुध व | तुला | 24:34:20 | शुक्र |
| 08/10/2031 | 10:17:55 | मेष | गुरु व | मेष | 02:45:44 | 13/04/2022 |
| 07/12/2032 | 11:04:13 | सिंह व | शुक्र | कन्या | 17:41:24 | सूर्य |
| 08/12/2035 | 22:39:50 | मेष | शनि व | मेष | 18:48:10 | चन्द्र |
| 08/08/2038 | 19:06:10 | कर्क | राहु व | कर्क | 12:41:08 | मंगल |
| 07/10/2041 | 19:06:10 | मक | केतु व | मक | 12:41:08 | राहु |
| 07/08/2044 | 21:11:02 | मक व | हर्ष | मक | 19:19:53 | गुरु |
| 07/10/2045 | 08:56:22 | मक व | नेप | मक | 08:06:33 | शनि |
| | 13:57:55 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 15:58:38 | बुध |
| | | | | | | 16/09/2027 |



Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
 Hanuman Chauraha, jank ganj
 Gwalior - Pin - 474001
 9425187186, 9302614644
 Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|--------|--------|--------|-----|---------|-----|-----------------|
| वर्ण | विप्र | विप्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | जलचर | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | जन्म | जन्म | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | गौ | गौ | 4 | 4.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | गुरु | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मीन | मीन | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 28.00 | | |

Mman का वर्ग सिंह है तथा कर्पौ पदहीप का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Mman और कर्पौ पदहीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mman मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mman कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कर्पौ पदहीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल कर्पौ पदहीप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।
क्योंकि मंगल वर्षों पदहीप कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।
क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः । त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mman कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।
Mman तथा वर्षों पदहीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com